| 2 | ФЕВРАЛЬ | н | deard |
|------------------|-------------------|-----------------|-----------|
| 1 □ Исх.27-28 | □ Mar.21:1-22 | 1 □ Иер.24-26 | □ Кол.3 |
| 2 □ Исх.29-30 | □ Mar.21:23-46 | 2 □ Иер.27-29 | □ Кол.4 |
| 3 □ Исх.31-33 | □ Mar.22:1-22 | 3 □ Иер.30-31 | □ 1Φec.1 |
| 4 □ Mcx.34-35 | □ Mar.22:23-46 | 4 □ Иер.32-33 | □ 1Φec.2 |
| 5 □ Исх.36-38 | □ Mar.23:1-22 | 5 □ Иер.34-36 | □ 1Φec.3 |
| 6 □ Исх.39-40 | □ Mar.23:23-39 | 6 □ Иер.37-39 | □ 1Φec.4 |
| 7 □ Лев.1-3 | □ Mar.24:1-28 | 7 □ Иер.40-42 | □ 1Φec.5 |
| 8 □ Лев.4-5 | □ Mar.24:29-51 | 8 □ Иер.43-45 | □ 2Φec.1 |
| 9 □ Лев.6-7 | □ Mar.25:1-30 | 9 □ Иер.46-47 | □ 2Φec.2 |
| 10 □ Лев.8-10 | □ Mar.25:31-46 | 10 □ Иер.48-49 | □ 2Φec.3 |
| 11 □ Лев.11-12 | □ Mar.26:1-25 | 11 □ Иер.50 | □ 1Тим.1 |
| 12 □ Лев.13 | □ Mar.26:26-50 | 12 □ Иер.51-52 | □ 1Тим.2 |
| 13 □ Лев.14 | □ Mar.26:51-75 | 13 □ Пл.Иер.1-2 | □ 1Тим.3 |
| 14 □ Лев.15-16 | □ Mar.27:1-26 | 14 □ Пл.Иер.3-5 | □ 1Тим.4 |
| 15 □ Лев.17-18 | □ Mar.27:27-50 | 15 □ Иез.1-2 | □ 1Тим.5 |
| 16 □ Лев.19-20 | □ Mar.27:51-66 | 16 □ Иез.3-4 | □ 1тим.6 |
| 17 □ Лев.21-22 | □ Mar.28 | 17 □ Иез.5-7 | □ 2Тим.1 |
| 18 □ Лев.23-24 | □ Mapĸ.1:1-22 | 18 □ Иез.8-10 | □ 2Тим.2 |
| 19 □ Лев.25 | □ Mapx.1:23-45 | 19 🗆 Иез.11-13 | □ 2Тим.3 |
| 20 □ Лев.26-27 | □ Марк.2 | 20 □ Иез.14-15 | □ 2Тим.4 |
| 21 □ Чис.1-2 | □ Mapκ.3:1-19 | 21 □ Иез.16-17 | □ Титу.1 |
| 22 □ Чис.3-4 | □ Mapx.3:20-35 | 22 🗆 Иез.18-19 | □ Титу.2 |
| 23 □ Чис.5-6 | □ Mapκ.4:1-20 | 23 □ Иез.20-21 | □ Титу.3 |
| 24 □ Чис.7-8 | □ Mapĸ.4:21-41 | 24 □ Иез.22-23 | □ Филим.1 |
| 25 □ Чис.9-11 | □ Mapĸ.5:1-20 | 25 🗆 Иез.24-26 | □ Евр.1 |
| 26 □ Чис.12-14 | □ Mapx.5:21-43 | 26 🗆 Иез.27-29 | □ Евр.2 |
| 27 □ Чис.15-16 | □ Mapk.6:1-29 | 27 □ Иез.30-32 | □ Евр.3 |
| 28/29 □ Чис.17-1 | 19 □ Марк.6:30-56 | 28 □ Иез.33-34 | □ Евр.4 |
| | | 29 □ Иез.35-36 | □ Евр.5 |
| | | 30 □ Иез.37-39 | □ Emp.6 |
| | AUDEUL | CEL | IMGEDL |

7

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29 □ Ис. 7-8

30 □ Ис. 9-10

план чтения виблии за год

предлагается в помощь для ежедневного чтения Писания всем, кто желает постоянно слушать что говорит Бог в Своем Слове. Данный план чтения Священного Писания предлагает Вам три возможных варианта чтения на протяжении года:

- 1) Читая полностью данные тексты на каждый день, Вы сможете прочитать за год всю Библию;
- 2) Читая только первый текст на каждый день, Вы сможете прочитать за год Ветхий Завет;
- 3) Читая только второй текст на каждый день, Вы сможете прочитать за год Новый Завет.

План чтения Библии - это помощник, а не «злой начальник». Планом необходимо пользоваться гибко. Кто-то будет читать дату за датой, кто-то будет свободней пользоваться планом. Главная польза плана в том, что вы становитесь более дисциплинированными в познании Слова, а также четко знаете, что вы прочли в этом году, а что еще не прочли.

июнь

| | | | Я | HB. | API | Ь | | | | ΦЕ | BF | ЪΛГ | Ь | MAPT | | | | | | | |
|-----|----|----|----|-----|-----|----|----|----|----|----|----|-----|----|------|----|----|----|----|----|----|----|
| - 1 | П | В | С | ч | п | С | В | п | В | С | ч | п | С | В | п | В | С | ч | п | С | В |
| _ | | | | | | | 1 | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 1 | 6 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| 2 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 27 | 28 | | | | | | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | | |
| 3 | 0 | 31 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | А | II | | • | | | | | IVI | (VI | | | | | , | 1ICO | пр | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|----|----|----|----|----|------|----|----|----|
| П | В | С | ч | п | С | В | П | В | С | ч | П | С | В | п | В | С | ч | п | С | В |
| | | | | | 1 | 2 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 29 | 30 | 31 | | | | | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | | |

| | | v | 110 | ль | | | ABLACT | | | | | | СЕНТЯБРЬ | | | | | | | | | |
|----|----|----|-----|----|----|----|--------|----|----|----|----|----|----------|----|----|----|----|----|----|----|--|--|
| П | В | С | ч | П | С | В | П | В | С | ч | П | С | В | п | В | С | ч | п | С | В | | |
| | | | | | 1 | 2 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | | | | | 1 | 2 | 3 | | |
| 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | | |
| 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | | |
| 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | | |
| 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 28 | 29 | 30 | 31 | | | | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | | | |
| 31 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | О | К | ТЯ | БР | ъ | | | | н | οя | БΡ | ь | ДЕКАБРЬ | | | | | | | | |
|---|------|-----|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---------|----|----|----|----|----|----|----|--|
| Г | В | C | ; | ч | п | С | В | п | В | С | ч | п | С | В | п | В | С | ч | п | С | В | |
| | | | | | | | 1 | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | | | | 1 | 2 | 3 | |
| 2 | : 3 | 4 | Ļ | 5 | 6 | 7 | 8 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | |
| 9 | 10 | 1 | 1 | 12 | 13 | 14 | 15 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | |
| 1 | 6 17 | 1 | 8 | 19 | 20 | 21 | 22 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | |
| 2 | 3 24 | 1 2 | 5 | 26 | 27 | 28 | 29 | 27 | 28 | 29 | 30 | | | | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |
| 3 | 0 3 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| 1 | Суд.13-15 |
|----|------------|
| 2 | Суд.16-18 |
| 3 | Суд.19-21 |
| 4 | Руф.1-4 |
| 5 | 1Цар.1-3 |
| 6 | 1Цар.4-6 |
| 7 | 1Цар.7-9 |
| 8 | 1Цар.10-12 |
| 9 | 1Цар.13-14 |
| 10 | 1Цар.15-16 |
| 11 | 1Цар.17-18 |
| 12 | 1Цар.19-21 |
| 13 | 1Цар.22-24 |

14 □ 1Цар.25-26

15 □ 1Цар.27-29

16 □ 1Цар.30-31

17 □ 2∐ap.1-2

18 □ 2Цар.3-5

19 □ 2Цар.6-8

20 □ 2Цар.9-11

21 □ 2Цар.12-13

22 □ 2Цар.14-15

23 □ 2Цар.16-18

24 □ 2Цар.19-20

25 □ 2Цар.21-22

26 □ 2Цар.23-24

27 □ ЗЦар.1-2

28 □ 3Цар.3-5

29 □ ЗЦар.6-7

30 □ 3Hap.8-9

АПРЕЛЬ □ Лук.6:27-49 □ Лук.7:1-30 □ Лук.7:31-50 □ Лук.8:1-25 □ Лук.8:26-56 □ Лук.9:1-17 □ Лук.9:18-36 □ Лук.9:37-62 □ Лук.10:1-24 □ Лук.10:25-42 □ Лук.11:1-28 □ Лук.11:29-54 □ Лук.12:1-31 □ Лук.12:32-59 □ Лук.13:1-22 □ Лук.13:23-35 □ Лук.14:1-24 □ Лук.14:25-35 □ Лук.15:1-10 □ Лук.15:11-32 □ Лук.16 □ Лук.17:1-19 □ Лук.17:20-37 □ Лук.18:1-23 □ Лук.18:24-43 □ Лук.19:1-27 □ Лук.19:28-48

□ Лук.20:1-26

□ Лук.21:1-19

□ Лук.20:27-47

СЕНТЯБРЬ

| CERT | иD | PB |
|------------|----|---------------|
| Пс.135-136 | | Рим 11:19-36. |
| Пс.137-139 | | Рим.12 |
| Пс.140-142 | | Рим.13 |
| Пс.143-145 | | Рим.14 |
| Пс.146-147 | | Рим.15:1-13 |
| Пс.148-150 | | Рим.15:14-33 |
| Пр.1-2 | | Рим.16 |
| Пр.3-5 | | 1Kop.1 |
| Пр. 6-7 | | 1Kop.2 |
| Пр. 8-9 | | 1Kop.3 |
| Пр. 10-12 | | 1Kop.4 |
| Пр. 13-15 | | 1Kop.5 |
| Пр. 16-18 | | 1Kop.6 |
| Пр. 19-21 | | 1Kop.7:1-19 |
| Пр. 22-24 | | 1Kop.7:20-40 |
| Пр. 25-26 | | 1Kop.8 |
| Пр. 27-29 | | 1Kop.9 |
| Пр. 30-31 | | 1Kop.10:1-18 |
| Еккл.1-3 | | 1Kop.10:19-33 |
| Еккл.4-6 | | 1Kop.11:1-16 |
| Еккл.7-9 | | 1Kop.11:17-34 |
| Еккл.10-12 | | 1Kop.12 |
| П.Песн.1-3 | | 1Kop.13 |
| П.Песн.4-5 | | 1Kop.14:1-20 |
| П.Песн.6-8 | | 1Kop.14:21-40 |
| Ис.1-2 | | - E |
| Ис. 3-4 | | 1Kop.15:29-58 |
| Ис. 5-6 | | 1Kop.16 |
| Ис. 7-8 | | 2Kop.1 |
| | | |

□ 2Kop.2

| 1 🗆 | 2Пар.15-16 | Иоан.12:27-50 |
|---------------------|------------|---------------|
| 2 🗆 | 2Пар.17-18 | Иоан.13:1-20 |
| 3 □ | 2Пар.19-20 | Иоан.13:21-38 |
| 4 🗆 | 2Пар.21-22 | Иоан.14 |
| 5 □ | 2Пар.23-24 | Иоан.15 |
| 6 □ | 2Пар.25-27 | Иоан.16 |
| 7 🗆 | 2Пар.28-29 | Иоан.17 |
| 8 🗆 | 2Пар.30-31 | Иоан.18:1-18 |
| 9 🗆 | 2Пар.32-33 | Иоан.18:19-40 |
| 10 □ | 2Пар.34-36 | Иоан.19:1-22 |
| 11 🗆 | Езд.1-2 | Иоан.19:23-42 |
| 12 □ | Езд.3-5 | Иоан.20 |
| 13 □ | Езд.6-8 | Иоан.21 |
| 14 🗆 | Езд.9-10 | Деян.1 |
| 15 □ | Неем.1-3 | Деян.2:1-21 |
| 16 □ | Неем.4-6 | Деян.2:22-47 |
| 17 \square | Неем.7-9 | Деян.3 |
| 18 □ | Неем.10-11 | Деян.4:1-22 |
| 19 □ | Неем.12-13 | Деян.4:23-37 |
| 20 □ | Ecф.1-2 | Деян.5:1-21 |
| 21 🗆 | Есф.3-5 | Деян.5:22-42 |
| 22 🗆 | Есф.6-8 | Деян.6 |
| 23 🗆 | Ecф.9-10 | Деян.7:1-21 |
| 24 🗆 | Иов.1-2 | Деян.7:22-43 |
| 25 □ | Иов.3-4 | Деян.7:44-60 |
| 26 □ | Иов.5-7 | Деян.8:1-25 |
| 27 🗆 | Иов.8-10 | Деян.8:26-40 |
| 28 □ | Иов.11-13 | Деян.9:1-21 |
| 29 □ | Иов.14-16 | Деян.9:22-43 |
| 30 □ | Иов.17-19 | Деян.10:1-23 |

июль

| 1 🗆 | Иов.20-21 | Деян.10:24-48 |
|------------|------------|---------------|
| 2 🗆 | Иов.22-24 | Деян.11 |
| 3 □ | Иов. 25-27 | Деян.12 |
| 4 🗆 | Иов. 28-29 | Деян.13:1-25 |
| 5 🗆 | Иов.30-31 | Деян.13:26-52 |
| 6 □ | Иов.32-33 | Деян.14 |
| 7 🗆 | Иов.34-35 | Деян.15:1-21 |
| 8 🗆 | Иов.36-37 | Деян.15:22-41 |
| 9 🗆 | Иов.38-40 | Деян.16:1-21 |
| 10 🗆 | Иов.41-42 | Деян.16:22-40 |
| 11 🗆 | Пс.1-3 | Деян.17:1-15 |
| 12 🗆 | Пс.4-6 | Деян.17:16-34 |
| 13 🗆 | Пс.7-9 | Деян.18 |
| 14 🗆 | Пс.10-12 | Деян.19:1-20 |
| 15 | Пс.13-15 | Деян.19:21-41 |
| 16 □ | Пс.16-17 | Деян.20:1-16 |
| 17 🗆 | Пс.18-19 | Деян.20:17-38 |
| 18 □ | Пс.20-22 | Деян.21:1-17 |
| 19 🗆 | Пс.23-25 | Деян.21:18-40 |
| 20 🗆 | Пс.26-28 | Деян.22 |
| 21 🗆 | Пс.29-30 | Деяян.23:1-15 |
| 22 🗆 | Пс.31-32 | Деян.23:16-35 |
| 23 🗆 | Пс.33-34 | Деян.24 |
| 24 🗆 | Пс.35-36 | Деян.25 |
| 25 🗆 | Пс.37-39 | Деян.26 |
| 26 □ | Пс.40-42 | Деян.27:1-26 |
| 27 🗆 | Пс.43-45 | Деян.27:27-44 |
| 28 □ | Пс.46-48 | Деян.28 |
| 29 □ | Пс.49-50 | Иак.1 |
| 30 □ | Пс.51-53 | Иак.2 |
| 31 🗆 | Пс.54-56 | Иак.3 |

Все Писание богодухновенно и полезно для научения, для обличения, для исправления, для наставления в праведности. Да будет совершен Божий человек. 2 Тим 16-17



пр.Октябрьский, 34 А за ТРЦ "Лапландия

Богослужения проходят в Воскресенье 13.00-15.00

"Кемеровский Христианский Центр'

Местная религиозная организация Церковь христиан веры евангельской пятидесятников

План Чтения Библии за год



ПЕКАБРЬ

1 □ Иез.40-41 □ Евр.7 □ Иез.42-44 □ Евр.8 □ Евр.9 □ Иез. 45-46 □ Иез.47-48 □ Emp.10:1-18 □ Дан.1-2 □ Emp.10:19-39 □ Дан.3-4 □ Emp.11:1-19 □ Emp.11:20-40 □ Лан.5-7 □ Лан 8-10 □ Евр.12 □ Лан.11-12 □ EBp.13 10 □ Осия.1-4 □ Откр.1 11 □ Осия.5-8 □ Откр.2 12 □ Осия. 9-11 □ Откр.3 13 □ Осия.12-14 □ Откр.4 14 □ Иоиπъ 1-3 □ Откр.5 15 □ Amoc.1-3 □ Откр.6 16 □ Amoc.4-6 □ Откр.7 17 □ AMOC. 7-9 □ Откр.8 18 □ Авд.1 □ Откр.9 19 ⊓ Иона.1-4 □ Откр.10 20 □ Mux.1-3 □ Откр.11 21 D Mux.4-5 □ Откр.12

□ Откр.13

□ Откр.14

□ Откр.15

□ Откр.16

□ Откр.17

□ Откр.18

□ Откр.19

□ Откр.20

□ Откр.21

□ Откр.22

1 □ Euro 1-3 □ Mam 1 2 □ Быт.4-6 □ Мат.2 □ Быт.7-9 □ Мал. 3 □ Быт.10-12 □ Мат.4 □ Быт.13-15 □ Mar.5:1-26 □ Esm 16-17 □ Mar.5:27-48 7 DEEM 19-19 □ Мат.6:1-18 □ Mam 6:19-34 9 □ Быт. 23-24 □ Мат.7 10 □ Быт.25-26 □ Mar.8:1-17 11 □ Быт.27-28 □ Мат.8:18-34 12 □ Быт. 29-30 □ Мат.9:1-17 13 □ Быт. 31-32 □ Мат.9:18-38 14 □ Burn 33-35 □ Мат. 10:1-20 15 □ Быт. 36-38 □ Mar.10:21-42 16 □ Быт.39-40 □ Mar.11 17 □ Быт.41-42 □ Mar.12:1-23 18 □ Быт. 43-45 □ Mar.12:24-50 19 □ Быт. 46-48 □ Мат.13:1-30 20 □ Быт. 49-50 □ Мат.13:31-58 21 □ Исх.1-3 □ Мат.14:1-21 22 □ Исх.4-6 □ Мат.14:22-36 23 □ Исх.7-8 □ Мат.15:1-20 24 □ Исх.9-11 □ Мат.15:21-39 25 □ Mcx.12-13 □ Мат.16 26 □ Mcx.14-15 □ Мат.17

□ Mar.18:1-20

□ Мат. 20:1-16

□ Лук.5:17-39

□ Лук.6:1-26

□ Mar.20:17-34

□ Мат. 19

□ Мат.18:21-35

27 □ Исх.16-18

28 □ Исх.19-20

29 □ Mcx.21-22

30 □ Mcx 23-24

31 🗆 Mcx.25-26

30 □ Суд.9-10

31 □ Суд.11-12

ЯНВАРЬ

5

6

22 □ Мих. 6-7

23 □ Havm.1-3

26 □ Arr.1-2

27 🗆 3ax.1-4

28 □ 3ax.5-8

29 🗆 3ax.9-12

30 □ 3ax 13-14

31 □ Малах.1-4

29 □ Иер.18-19

30 □ Иер.20-21

31 □ Иер.22-23

24 □ Аввак.1-3 25 □ Coф.1-3

АВГУСТ 1 □ Nc.57-59 □ Иак.4 2 □ Пс.60-62 □ Иак.5 3 □ Пс.63-65 □ 1Пет.1 4 □ Пс. 66-67 □ 1Пет.2 □ Пс.68-69 □ 1Пет.3 п Пс.70-71

п 1Пет.4 □ Пс.72-73 □ 1Пет.5 □ IIc.74-76 □ 2Пет.1 □ Пс.77-78 □ 2Пет.2 10 □ Пс.79-80 □ 2Пет.3 11 ппс.81-83 □ 1Иоан.1 12 Ппс.84-86 □ 1Иоан.2 13 □ Пс.87-88 □ 1Иоан.3 14 □ Пс.89-90 □ 1Иоан.4 15 □ Nc.91-93 □ 1Иоан.5 16 □ Пс.94-96 □ 2Иоан.1 □ ЗИоан.1.

□ Рим.9:1-15

□ Рим.10

□ Pmm 9:16-33

□ Рим.11:1-18

17 □ Пс. 97-99 18 □ ∏c.100-102 □ Иуд.1 19 □ Пс.103-104 □ Рим.1 20 □ Nc.105-106 □ Рим.2 21 □ Пс.107-109 □ Рим.3 22 □ Пс. 110-112 □ Рим. 4 23 п пс. 113-115 □ Рим 5 24 □ Пс.116-117 □ Рим.6 25 □ Mc.118:1-88 □ Рим.7 26 □ Ic.118:89-176 □ Рим.8:1-21 27 □ Nc.119-121 □ Рим.8:22-39

28 □ Nc.122-125

29 □ Пс.126-128

30 □ Nc.129-131

31 П Пс.132-134

1 □ 3Hap.10-11 2 □ ЗЦар.12-13 □ ЗЦар.14-15 □ ЗЦар.16-18 □ ЗЦар.19-20 □ ЗЦар.21-22 □ 4Цар.1-3 □ 4Цар.4-6 □ 4∐ap.7-9 10 □ 4Цар.10-12 11 □ 4Цар.13-14 12 □ 4Цар.15-16 13 □ 4Hap.17-18 14 □ 4Hap.19-21 15 □ 4Цар.22-23 16 □ 4Цар.24-25 17 □ 1Πap.1-3 18 □ 1Пap.4-6 19 □ 1Пap.7-9 20 □ 1Πap.10-12 21 □ 1∏ap.13-15 22 □ 1∏ap.16-18 23 □ 1∏ap.19-21 24 □ 1Πap.22-24 25 □ 1Πap.25-27 26 □ 1∏ap.28-29 27 □ 2∏ap.1-3 28 □ 2Πap.4-6 29 □ 2Πap.7-9

30 □ 2Πap.10-12

31 □ 2∏ap.13-14

МАЙ □ Лук.21:20-38 □ Лук.22:1-30 □ Лук.22:31-46 □ Лук.22:47-71 □ Лук.23:1-25 □ лук 23:26-56 □ Лук.24:1-35 □ Лук.24:36-53 □ Иоан 1:1-28 □ Иоан.1:29-51 ⊓ Иоан.2 □ Иоан.3:1-18 □ Иоан.3:19-36 □ Иоан.4:1-30 □ Иоан.4:31-54 □ Иоан.5:1-24 □ Иоан.5:25-47 □ Иоан.6:1-21 □ Иоан.6:22-44 □ Иоан.6:45-71 □ Иоан.7:1-27 □ Иоан 7:28-53 □ Иоан 8:1-27 □ Иоан.8:28-59 □ Иоан.9:1-23 □ Иоан.9:24-41 □ Иоан.10:1-23 □ Иоан.10:24-42 □ Иоан.11:1-29 □ Иоан.11:30-57 □ Иоан.12:1-26

ОКТЯБРЬ

1 □ Ис.11-13 □ 2Kop.3 □ 2Kop.4 2 □ Ис. 14-16 3 □ Ис. 17-19 □ 2Kop.5 □ 2Kop.6 4 □ Mc. 20-22 5 □ Ис. 23-25 □ 2Kop.7 □ Ис. 26-27 □ 2Kop.8 □ Ис. 28-29 □ 2Kop.9 □ Ис. 30-31 □ 2Kop.10 9 □ Ис. 32-33 □ 2Kop.11:1-15 10 ⊓ Ис. 34-36 □ 2Kop.11:16-33 11 □ Ис. 37-38 □ 2Kop.12 12 □ Ис. 39-40 □ 2Kop.13 13 □ Ис. 41-42 □ Гал.1 14 □ Ис. 43-44 □ Гал.2 15 □ Ис. 45-46 □ Гал.3 16 □ Ис. 47-49 □ Гал.4 17 □ Mc. 50-52 п Гаπ.5 18 □ Ис. 53-55 □ Гаπ.6 19 □ Ис. 56-58 □ Eò.1 20 □ Ис. 59-61 □ Еф.2 21 🗆 Ис. 62-64 □ Еф.3 22 □ Ис. 65-66 □ Еф.4 23 □ Иер.1-2 □ Ed.5:1-16 24 □ Иер.3-5 □ Eф.5:17-33 25 □ Иер.6-8 □ Еф.6 26 □ Иер.9-11 □ Фиπиπ.1 27 □ Иер.12-14 □ Филип. 2 28 □ Иер.15-17 □ Филип. 3

□ Филип. 4

□ Кол.1

□ Коπ 2

1 □ Чис.20-22 □ Марк.7:1-13 2 □ Чис.23-25 □ Марк.7:14-37 □ Чис.26-28 □ Марк.8 □ Чис.29-31 □ Марк.9:1-29 □ Чис. 32-34 □ Mapk.9:30-50 □ Чис.35-36 □ Mapk.10:1-31 □ Mapk.10:32-50 □ Втор.1-3 □ Втор.4-6 □ Mapk.11:1-18 □ Втор.7-9 □ Mapk.11:19-33 10 □ Brop.10-12 □ Mapk.12:1-27 11 □ Втор.13-15 □ Mapk.12:28-44 12 □ Втор.16-18 □ Mapk.13:1-20 13 □ Втор.19-21 □ Mapk.13:21-37 14 □ BTOD.22-24 □ Mapk.14:1-26 15 □ Втор.25-27 □ Mapk.14:27-53 16 □ Втор.28-29 □ Mapk.14:54-72 17 🗆 Brop.30-31 □ Mapk.15:1-25 18 □ Втор. 32-34 □ Mapk.15:26-47 19 □ Ис.Нав.1-3 □ Марк.16 20 □ Ис. Нав. 4-6 □ Лук.1:1-20 21 □ Ис.Нав.7-9 □ Лук.1:21-38 22 □ Ис.Нав.10-12 □ Лук.1:39-56 23 □ Ис.Нав.13-15 □ Лук.1:57-80 □ Лук.2:1-24 24 □ Ис.Нав.16-18 25 □ Ис.Нав.19-21 □ Лук.2:25-52 26 □ Ис.Нав.22-24 □ Лук.3 27 □ Cym.1-3 □ Лук.4:1-30 28 □ Суд.4-6 □ Лук.4:31-44 29 □ Суд.7-8 □ Лук.5:1-16

MAPT